For : Rajasthan All Exam's

नया राजस्थान GK

(प्रमुख पठार, पहाड़ियां, पर्वत)

Free Download

PDF

Adobe

- **गुरु शिखर :** अरावली की पहाड़ियों में **माउण्ट आबू (सिरोही)** में स्थित **राजस्थान की सबसे ऊँची पर्वत चोटी**। **कर्नल टॉड** ने इसे **संतों का शिखर** कहा है।
- **सेर (सिरोही) :** 1597 मीटर ऊँची राज्य की दूसरी सबसे ऊँची चोटी एवं **दिलवाड़ा (1442 मी.) :** राज्य की तीसरी सबसे ऊँची पर्वत चोटी।
- **जरगा (उदयपुर) :** 1431 मीटर ऊँची राज्य की चौथी सबसे ऊँची चोटी, जो **भोरट के पठार** में स्थित है।
- **मेसा पठार** (620 मीटर ऊँचा) पर **चित्तौड़गढ़ दुर्ग** स्थित है।
- **अचलगढ़ (सिरोही):** 1380 मीटर ऊँची पर्वत श्रेणी। **रघुनाथगढ़ (सीकर)–1055 मी.**, खो–920 मी., तारागढ़–873 मी. (मा.शि.बोर्ड की पुस्तक में 870 मी.)।
- **मुकुन्दवाड़ा की पहाड़ियाँ: कोटा व झालरापाटन (झालावाड़)** के बीच स्थित इस भू-भाग का ढाल **दक्षिण से उत्तर की ओर** है।

WhatsApp JOIN NOW!

- **मालखेत की पहाड़ियाँ :** सीकर जिले की पहाड़ियों का स्थानीय नाम। **हर्ष की पहाड़ियाँ** सीकर जिले में स्थित हैं, जिस पर जीणमाता का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है।
- **सुण्डा (सुन्धा) पर्वत :** भीनमाल (जालौर) के निकट स्थित पहाड़ियाँ, जिनमें **सुण्डा (सुन्धा) माता** का मंदिर स्थित है। इस पर्वत पर 2006 में **राज्य का पहला रोप वे** संचालित है।
- **मालाणी पर्वत शृंखला :** लूनी बेसिन का मध्यवर्ती घाटी भाग, जो मुख्यतः जालौर एवं बालोतरा के मध्य स्थित है।
- **उड़िया पठार :** राज्य का **सबसे ऊँचा पठार**, जो गुरू शिखर से नीचे स्थित है। यह आबू पर्वत से 160 मीटर ऊँचा है।
- **आबू पर्वत : आबू पर्वत खंड का दूसरा सबसे ऊँचा पठार (उड़िया पठार के बाद)**, जिसकी औसत ऊँचाई 1200 से अधिक मीटर है। यहीं पर **टॉड रॉक एवं हार्न रॉक** स्थित है।
- **भोरठ का पठार:** आबू पर्वत खंड के बाद **राज्य का उच्चतम पठार**, जो **उदयपुर के उत्तर पश्चिम में गोगुन्दा व कुम्भलगढ़ के बीच** स्थित है। इसकी औसत ऊँचाई 1225 मी. है।
- **भाकर : पूर्वी सिरोही क्षेत्र में अरावली** की तीव्र ढाल वाली व ऊबड़-खाबड़ **कटक (पहाड़ियां)** स्थानीय भाषा में **'भाकर'** नाम से जानी जाती है।

- राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 9 की पुस्तक 'राजस्थान अध्ययन' के अनुसार राज्य की **6 सबसे ऊँची पर्वत चोटियाँ** हैं– 1. गुरु शिखर (1722 मी.), 2. सेर (1597 मी.), 3. दिलवाड़ा (1442 मी.), 4 जरगा (1431 मी.), 5. अचलगढ़ (1380 मी.) एवं 6. आबू (1295 मी.)।
- **अन्य चोटियाँ :** कुंभलगढ़ (1224 मी.) कमलनाथ की पहाड़ी (1001 मी.), ऋषीकेश (1017 मी.), सज्जनगढ़ (938 मी) एवं लीलागढ़ (874 मी.)।
- **गिरवा:** उदयपुर क्षेत्र में तश्तरीनुमा आकृति वाले **पहाड़ों की मेखला** (श्रृंखला) को स्थानीय भाषा में **'गिरवा'** कहते हैं।
- **मेरवाड़ा की पहाड़ियाँ :** अरावली पर्वत श्रेणियों का टाडगढ़ के समीप का भाग, जो मारवाड़ के मैदान को मेवाड़ के उच्च पठार से अलग करता है।
- **छप्पन की पहाड़ियाँ व नाकोड़ा पर्वत :** बाड़मेर में सिवाणा पर्वत क्षेत्र में स्थित मुख्यत: गोलाकार पहाड़ियाँ। इन्हें **'नाकोड़ा पर्वत'** के नाम से भी जाना जाता है।
- **लसाड़िया का पठार : उदयपुर (अब सलूंबर जिले) में** जयसमंद से आगे पूर्व की ओर विच्छेदित व कटाफटा पठार।
- **त्रिकूट पहाड़ी :** जैसलमेर किला इसी पर स्थित है।

WhatsApp JOIN NOW!

- **उपरमाल** : चित्तौड़गढ़ के भैंसरोड़गढ़ से भीलवाड़ा के बिजोलिया तक का पठारी भाग रियासत काल में **'उपरमाल'** के नाम से जाना जाता था।
- **चिडियाटूँक पहाड़ी** पर जोधपुर का **मेहरानगढ़ किला** है।
- **तारागढ़** (अजमेर), नाग पहाड़ (अजमेर) मध्य अरावली की सबसे ऊँची चोटी है। **ब्यावर** जिले में **टाडगढ़ (गोरमजी/ मायरजी)** 933 गज।
- **आडावाला पर्वत** : बूँदी जिले में स्थित है।
- **भैराच एवं उदयनाथ** : अलवर में स्थित पहाड़ियाँ।
- **मगरा** : उदयपुर का उत्तर पश्चिमी पर्वतीय भाग। यहीं **जरगा पर्वत चोटी** स्थित है।
- **खो** जयपुर जिले में व **बाबाई (झुँझुनूँ)** में स्थित पहाड़ियाँ।
- **डोरा पर्वत** (869 मी.): जसवंतपुरा पर्वतीय क्षेत्र जालौर में स्थित।
- **रोजाभाखर** (730 मी.), **इसराना भाखर** (839 मी.) एवं **झारोला पहाड़** : ये सभी जालौर पर्वतीय क्षेत्र (जसवंतपुरा की पहाड़ियाँ) में स्थित हैं।
- **नालः** अरावली श्रेणियों के मध्य मेवाड़ क्षेत्र में स्थित **तंगरास्तों (दर्रों)** को स्थानीय भाषा में नाल कहते हैं।

- **मेवाड़ में प्रमुख नालें** –
  (1) **जीलवा की नाल** (पगल्या नाल) : यह मरवाड़ से मेवाड़ में आने का रास्ता प्रदान करती है।
  (2) **सोमेश्वर की नाल:** देसूरी से कुछ मील उत्तर में स्थित विकट तंग दर्रा।
  (3) **हाथी गुड़ा की नाल:** देसूरी से दक्षिण में 5 मील दूरी पर स्थित नाल। **कुंभलगढ़ का किला** इसी नाल के नजदीक है।
- ब्यावर जिले में अरावली के 4 दर्रे- (1) बर का दर्रा, (2) परवेरिया का दर्रा, (3) शिवपुर घाट का दर्रा, (4) सूरा घाट दर्रा हैं।
- **जसवन्तपुरा की पहाड़ियाँ** : आबू क्षेत्र के पश्चिम में जालौर तक स्थित पहाड़ियाँ। **डोरा पर्वत चोटी** यहीं स्थित है।

महत्त्वपूर्ण तथ्य:

- पश्चिमी शुष्क रेतीला मैदान **पाकिस्तान सीमा के सहारे-सहारे कच्छ की खाड़ी से पंजाब तक विस्तृत** है। यह मरुस्थल विश्व का एक मात्र मरुस्थल है जो **दक्षिणी-पश्चिमी मानसून हवाओं के द्वारा निर्मित्त** है।
- **खादर** : चंबल बेसिन में 5 से 30 मीटर गहरी खड्डु युक्त **बीहड़ भूमि** को स्थानीय भाषा में '**खादर**' कहते हैं।

- **धोरे** : रेगिस्तान में रेत के बड़े-बड़े टीले, जिनकी आकृति लहरदार होती है।
- **बरखान** : रेगिस्तान में रेत **के अर्द्धचन्द्राकार बड़े-बड़े टीले**। ये एक स्थान से दूसरे स्थान पर **गतिशील रहते** हैं।
- **लघु मरुस्थल** : महान थार मरुस्थल का पूर्वी भाग जो कच्छ से बीकानेर तक फैला है।
- **बीहड़ भूमि या कंदराएँ** : चम्बल नदी के द्वारा मिट्टी के भारी कटाव के कारण प्रवाह क्षेत्र में बन गई गहरी घाटियाँ व टीले। राजस्थान में **सर्वाधिक बीहड़ भूमि धौलपुर जिले** में है। राजस्थान व मध्यप्रदेश के सीमावर्ती जिले **भिण्ड, मुरैना, धौलपुर** आदि में ये कंदराएँ (Ravines) बहुत हैं।
- **खड़ीन** : जैसलमेर के उत्तर दिशा में बड़ी संख्या में स्थित प्लाया झीलें, जो प्राय: निम्न कागारों से घिरी रहती हैं।
- **धरियन** : **जैसलमेर जिले** के ऐसे भू-भाग में, जहाँ आबादी लगभग नगण्य है, **स्थानान्तरित बालूका स्तूपों** को स्थानीय भाषा में **धरियन** नाम से पुकारते हैं।
- **वागड़ (वाग्वर)** : **बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़ व डूँगरपुर** के क्षेत्र को स्थानीय भाषा में **वागड़ (वाग्वर)** कहते हैं।

WhatsApp
JOIN NOW!

- **बांगड़ (बांगर) :** यह अरावली पर्वत एवं पश्चिम मरुस्थल के मध्य का भाग है, जो मुख्यतः झुंझुनुँ, सीकर, नागौर व डीडवाना-कुचामन जिलों में विस्तृत है।
- **छप्पन के मैदान :** बाँसवाड़ा, डूँगरपुर व प्रतापगढ़ के बीच

  माही बेसिन में **56 ग्राम समूहों** (56 नदी नालों का प्रवाह क्षेत्र) का क्षेत्र।
- **पीडमान्ट मैदान :** अरावली श्रेणी में देवगढ़ के समीप स्थित पृथक निर्जन पहाड़ियाँ जिनके उच्च भू-भाग टीलेनुमा है।
- **बीजासण का पहाड़ :** मांडलगढ़ के कस्बे के पास स्थित है।
- **विन्ध्याचल पर्वत :** राजस्थान के दक्षिण-पूर्व में मध्यप्रदेश में स्थित है।
- **लाठी सीरीज क्षेत्र : जैसलमेर में पोकरण से मोहनगढ़ तक पाकिस्तानी सीमा के सहारे** विस्तृत **एक भूगर्भीय जल की चौड़ी पट्टी** जहाँ **उपयोगी सेवण घास** पाई जाती है।
- **कूबड़ पट्टी :** राजस्थान के **नागौर, डीडवाना-कुचामन एवं**

WhatsApp
JOIN NOW!

अजमेर जिले के कुछ क्षेत्रों में भूगर्भीय पानी में **फ्लोराइड** की मात्रा अत्यधिक होने के कारण वहाँ के निवासियों की हड्डियों में टेढ़ापन आ जाता है एवं पीठ झुक जाती है इसलिए इसे **कूबड़ पट्टी** कहते हैं।

- **ढाँढ या थली** : बरखान बालुकास्तूपों की दोनों भुजाओं के बीच वायु की रगड़ से बने गर्त को स्थानीय भाषा में थली कहते हैं। इसमें वर्षा पानी भरने से **प्लाया झील** का निर्माण हो जाता है।
- **बग्गी या काठी** : घग्घर मैदान में पाई जाने वाली समतल व उपजाऊ चिकनी मिट्टी का स्थानीय भाषा में नाम।
- सांभर झील **आंतरिक जल प्रवाह** का श्रेष्ठ उदाहरण है।

WhatsApp
JOIN NOW!

नवीनतम राजस्थान GK
(टॉपिक वाइज नोट्स)
Free PDF
Click Here
RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
By - Aadarsh Sir

Click Here

लाइव क्लासेज यहां से देखें

Click Here

अन्य नोट्स PDF हेतु क्लिक करें

Click Here

हर नोट्स, मॉडल पेपर की लिंक यहां मिलेगी

Click Here